KAAV INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS, HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
A REFEREED BLIND PEER REVIEW QUARTERLY JOURNAL
KIJAHS/ APR-JUN (2018)/VOL-5/ISS-2/A2 PAGE NO. 4-14
ISSN: 2348- 4349 IMPACT FACTOR (2018) – 8.0121
WWW.KAAVPUBLICATIONS.ORG

एटा जिला पंचायत का स्वरूप सन् 2000 के विशेष सन्दर्भ में अनुसूचित जातियों, जनजातियों एवं पिछड़ी जातियों की महिलाओं की सहभागिता, स्थिति तथा ग्रामीण विकास में उनका योगदान

[1]डॉ0 अंशुका सक्सैना

[1]एम.ए., पी.एच.डी., राजनीति विज्ञान
असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.एम.एस. डिग्री कॉलेज,
नगरिया मोड़, जी.टी. रोड, एटा

सारांश

एटा जिला पंचायत में महिलाओं की क्या सहभागिता है, उनकी क्या स्थिति है और ग्रामीण विकास वह कितना योगदान दे रही है यह बताया गया है जोकि एटा जिला पंचायत सन् 2000 के विशेष संदर्भ में है। त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था के सर्वोच्च सोपान पर महिलायें किस स्थान पर बैठी हुई हैं। अतः समस्त वर्गो की महिलाओं की कार्यविधि का अवलोकन किया गया है। इस प्रकार अनुसूचित जातियों, अनु0 जनजातियों, पिछड़े वर्गो तथा सामान्य वर्गो की महिलाओं की वास्तविक भूमिका का मूल्यांकन किया गया है।

शोध साक्षात्कार के माध्यम से शोध को प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया है।

Copyright © 2017 Published by kaav publications. All rights reserved www.kaavpublications.org